पोती के लिए बनवाया शौचालय

सिहोर जिले के इछावर विकासखंड के ग्राम पंचायत मुडला के चौकीदार द्वारा प्रतिदिन सीटी बजा कर एवं डोंडी पीट कर हर दिन बताया जाता था कि जिनके घर में शौचालय है। वह शौचालय का प्रयोग करें और जिनके घरों में नहीं है, वह आपने घरों में शीघ्रता से निर्माण करालें एवं उपयोग करें।एक माह का समय है, एक माह बाद जो भी बाहर खुले में शौच करता पकड़ा जाएगा उसको जुर्माना लगेगा। विजय सिंह की पोती रिया इस बात को प्रतिदिन ध्यान से सुनती थी। उसे यह जानकारी विद्यालय में भी मिली थी। एक दिन उसने अपने दादा जी से कहा कि दादा जी हमारे घर तो शौचालय नहीं है। अब हम कहाँ जायेंगे और बाहर जायेंगे तो हमारे घर में मक्खी टट्टी ले कर आएगी गन्दगी फैलाएगी और आपको जुर्मना भी देना पड़ेगा। हम अपने घर में ही शौचालय बनवालें। इस पर दादा जी ने बेटी को जबाब दिया तुम तो अब विद्यालय की लम्बी छुट्टी होने के कारण अपने मामा जी के घर जा रही हो जब लौट कर आओगी तब तक घर में शौचालय बन जाएगा। वह स्वयं काम करने में असमर्थ थे, उनका एक हाथ नहीं है,उसी दौरान समर्थन संस्था द्वारा दोदिवसीय राज मिस्त्रियों की कार्य शाला का आयोजन किया गया था। विजय सिंह जी ने वहाँ आ कर संस्था के समन्वयक से शौचालय का निर्माण में मदद की इच्छा व्यक्त की, उन्हें बताया गया कि आप अगर घर में गड्ढे का निर्माण कर लेते हो तो शौचालय आपके घर बन जाएगा। उन्होंने उसी दिन से एक हाथ से गड्ढे की खुदाई का काम करना शुरू कर दिया और राज मिस्त्री के साथ शौचालय निर्माण में बेलदारी का भी काम किया। उनका कहना था की "मेरी पोती रिया जब तक मामा के घर से लौट कर आए उसके पहले घर में शौचालय तैयार कर देना है" जब रिया मामा के घर से आयी तो देखा की दादा जी ने अपना वचन पूरा कर दिया है वह बहुत खुश हुई की दादा जी ने जो कहा था वह कर दिखाया।

स्त्रोत : एम पी वॉश, वाटर एड